aiiea

सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

czica

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती
महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 02/2021
दिनांक : 24/2/2021

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

विषय : क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ सीजेडआईईए का सूचना सहभागिता सत्र संपन्न

दिनांक 30 जनवरी को सीजेडआईईए की क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ वर्चुअल माध्यम से सूचना सहभागिता सत्र संपन्न हुआ। जिसमें प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रकाश चंद, श्री अजय कुमार, प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन), आंचलिक प्रबंधक श्री राजेश अलावादी (कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध), श्री एसएल सतपथी, आंचलिक प्रबंधक (का से) , श्री जीडी बेरादमनी आंचलिक प्रबंधक (सीआरएम), श्रीमती विनीता डे (सचिव कार्मिक), श्री अरूप कुंडू, मुख्य अभियंता, श्रीमती आरती आचार्य, सहायक सचिव (कार्मिक), श्री अमोल नागले, प्र.अ. (कार्मिक), सचिव (संपदा) तथा संगठन की ओर से एआईआईईए के उपाध्यक्ष काम. बी. सान्याल, सीजेडआईईए अध्यक्ष काम. एन. चक्रवर्ती तथा महासचिव के अलावा सीजेडआईईए के सभी सचिवालयीन सदस्य शामिल थे। यह चर्चा वर्चुअल माध्यम से की गई थी। चर्चा के प्रारंभ में आंचलिक प्रबंधक कार्मिक ने सभी का स्वागत करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग के प्रदर्शन, मध्य क्षेत्र में व्यवसाय सहित अन्य मसलों पर हासिल हुई प्रगति के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने इन विषयों पर सीजेडआईईए से सकारात्मक सहयोग की अपील की।

सीजेडआईईए के महासचिव द्वारा संगठन की ओर से अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया गया कि राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत हमारी विचारधारात्मक प्रतिबद्धता है। उन्होंने इस संबंध में संगठन की ओर से मध्य क्षेत्र में चलाये जा रहे अभियानों या गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा अपेक्षा की कि कर्मचारियों के संबंधित मुद्दों पर प्रबंधन की ओर से सकारात्मक पहलकदमी की जायेगी। इसके बाद सीजेडआईईए की ओर सेमध्यक्षेत्र के विभिन्न मंडलों की निम्न समस्याओं पर चर्चा प्रारंभ हुई-

1.सीजेडआईईए ने विभिन्न मंडलों हेतु स्वयं के भवन की आवश्यकता के संबंध में प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट करते हुए-

रायपुर - दंतेवाड़ा में निगम द्वारा क्रय की गई जमीन से संबंधित समस्या का अतिशीघ्र समाधान करते हुए कार्यालय भवन का निर्माण प्रारंभ किया जाये। राजनांदगांव, सरायपाली, धमतरी, भिलाई-2, सी.ए.बी. भिलाई व कांकेर शाखाओं के लिए जमीन क्रय की जाये। मंडल कार्यालय भवन, रायपुर के आंतरिक पुताई का कार्य अविलंब कराया जाये। भिलाई-2 शाखा भवन की पुताई कार्य शीघ्र किया जाये, महासमुंद शाखा कार्यालय जो स्वयं के भवन से संचालित है, जिसकी नींव के चारों ओर दरारें आ चुकी हैं, साथ ही साथ दीमक के चलते फर्नीचर भी खराब हो चुके हैं, कार्यालय भवन की टाइल्स भी उखड़ चुके हैं जिससे फ्लोरिंग असमतल हो गया है, जिसके चलते टेबल कुर्सी सही नहीं रह पाते हैं। अतः इन सभी समस्याओं के सुधार के लिए शीघ्र कदम उठाए जाएं। शाखा कार्यालय, दुर्ग स्थित ट्यूबवेल में लंबे समय से गंदा पानी आ रहा है, अतः नया ट्यूबेल बोर कराया जाये। दुर्ग शाखा में बारिश के दिनों में प्रवेश द्वार पर जलभराव की स्थिति रहती है, इसलिए उचित समतलीकरण कराया जाये। शाखा कार्यालय, राजनांदगांव के वर्तमान भवन में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है जिसके चलते बीमाधारक, अभिकर्ता व प्रशासनिक कर्मचारियों के निरंतर ट्रॉफिक पुलिस के विवाद की स्थिति निर्मित होती है, अतः इसे अन्य भवन में स्थानांतरित किया जाये। शाखा क्रमांक 1, रायपुर का ट्यूबवेल भी सूख गया है, अतः नये ट्यूबवेल बोर कराया जाये।

जबलपुर : सिहोरा, सागर-2, सीएबी सागर, कटनी -2, नरसिंहपुर, बीना, लखनादौर एवं सौंसर शाखा के लिए जमीन क्रय की जाये। मंडल कार्यालय में लिफ्ट की व्यवस्था की जाये, शाखा कार्यालय, बीना भवन जर्जर स्थिति में है, अतः उसे अन्यत्र स्थानांतरित किया जाये।

भोपाल : गंजबासौदा, शुजालपुर, रायसेन, होशंगाबाद, बैरागढ़, बैतूल, भोपाल शाखा क्रमांक-4 में स्वयं के भवन हेतु जमीन क्रय की जाये। भोपाल शाखा क्रमांक -1 की समस्याओं पर पहले भी चर्चा हुई है। अतः इसे अन्यत्र स्थानांतरण के निर्णय पर अमल किया जाये। मंडल कार्यालय भोपाल के स्थानाभाव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु एक और तल के निर्माण के साथ आधुनिकीकरण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाये। भोपाल शाखा क्रमांक-3 के जर्जर भवन को शीघ्र दुरुस्त कर वहां की समस्याओं का समाधान किया जाये।

सतना : नवनिर्मित मंडल कार्यालय भवन में आपातकालीन द्वार की व्यवस्था की जाये तथा प्रवेश द्वार पर गार्ड रूम एवं टायलेट की व्यवस्था की जाये। हाल ही में क्षेत्रीय प्रबंधक महोदय के सतना प्रवास के

दौरान भी नवनिर्मित भवन की अन्य समस्याओं एवं कर्मचारी साख समिति हेतु उपयुक्त स्थान की आवश्यकता से उन्हें अवगत कराया गया था, इन समस्याओं का शीघ्र निवारण किया जाये। निवाड़ी, मैहर, सतना-1, सीएबी सतना एवं रीवा शाखा क्रमांक 2 के लिए जमीन क्रय की जाये।

शहडोल : नवनिर्मित कार्यालय प्रवेश द्वार पर टायलेट की व्यवस्था की जाये।

बिलासपुर : शाखा इकाई रायगढ़, नैला, भाटापारा, पत्थलगांव, कोरबा-2 एवं बिलासपुर-2 के लिए जमीन क्रय की जाये।

ग्वालियर : ग्वालियर मंडल में गुना शाखा के भवन को छोड़कर अन्य सभी 9 शाखाएं किराये के भवनों में संचालित हो रही हैं अतः इन शाखाओं हेतु जमीन क्रय की जाए। मंडल कार्यालय में पार्किंग की गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान किया जाये। शाखा क्रमांक-1 की सेटेलाईट शाखा, शाखा भवन से ही संचालित हो रही है, इसे अन्यत्र स्थानांतरित किया जाये।

इंदौर - बड़वाह, कन्नौद, सेंधवा, बड़वानी एवं रतलाम-2 हेतु जमीन क्रय की जाए। शाखा डीएबी की लिफ्ट बदली जाये।

- क्षेत्रीय प्रबंधन ने सूचित किया कि मध्य क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में शाखा भवन हेतु जमीन खरीदने के लिए प्रयत्न किये जा रहे हैं तथा इस हेतु मंडलों को भी पत्र लिखे गये। प्रबंधन ने सूचित किया कि दंतेवाड़ा की जमीन के संबंध में वन विभाग की आपत्ति के बाद उनके द्वारा वैकल्पिक जमीन के मामले में निरंतर पहल की जा रही है। धमतरी में सरकारी जमीन का प्रस्ताव मिला जिस पर विचार जारी है। सरायपाली में भी ऐसे ही प्रयास जारी किये गये हैं। कांकेर, राजनांदगांव हेतु भी प्रयत्न किये जा रहे हैं तथा राजनांदगांव के शाखा भवन को अन्यत्र स्थानांतरित करने का प्रस्ताव मंडल से आयेगा तो उपयुक्त विचार करेंगे। महासमुंद के मामले में परीक्षण किया गया है, इस पर जल्द कार्यवाही की जायेगी। शाखा क्र. 1 एवं दुर्ग के ट्यूबवेल से संबंधित निर्णय मंडल प्रबंधन ले सकते हैं।

जबलपुर मंडल में सागर एवं सिहोरा के जमीन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिस पर प्रयास जारी हैं। बीना में अन्यत्र भवन स्थानांतरण के प्रस्ताव आने पर विचार किया जायेगा।

प्रबंधन ने यह भी सूचित किया कि बीएसएनएल के द्वारा अपने भवन बड़े स्तर पर अन्य संस्थानों को देने की प्रक्रिया अपनायी जा रही है। सभी स्थानों पर प्रबंधन द्वारा इन भवनों का परीक्षण किया जा रहा है। भोपाल मंडल में गंजबासौदा, बैतूल हेतु बीएसएनएल भवन का प्रस्ताव आया है, जो विचाराधीन है। शुजालपुर में भी प्लाट चिन्हित किया गया है। भोपाल मंडल कार्यालय में एक अतिरिक्त तल निर्माण हेतु केन्द्रीय कार्यालय प्रस्ताव भेजा जा चुका है। शाखा क्र.3 एवं शाखा क्रमांक 1 के संबंध में दिये गये सुझावों पर उपर्युक्त निर्णय लिये जाएंगे। प्रबंधन ने सूचित किया कि पाथाखेड़ा में कार्य प्रारंभ किया जा रहा है तथा सतना, शहडोल, ग्वालियर मंडल में हमारी शाखाओं हेतु बीएसएनएल के भवन के प्रयास किये जा रहे है। ग्वालियर के सेटेलाईट शाखा को स्थानांतरित करने की पहल की जा रही है। सतना मंडल में नवनिर्मित भवन में आपातकालीन द्वार की व्यवस्था की जा रही है तथा सतना एवं शहडोल के नवनिर्मित भवन की अन्य समस्या का परीक्षण कर समाधान किया जायेगा। प्रबंधन ने यह भी सूचित किया कि बड़वाह में जमीन क्रय करने के प्रस्ताव पर जल्द निर्णय लिया जायेगा। प्रबंधन ने यह भी सूचित किया कि बिलासपुर, इंदौर मंडलों की शाखाओं सहित अन्य स्थानों के लिए जमीन क्रय करने के विषय पर जेडएमसी में भी प्राथमिकता के साथ चर्चा कर पहल की जा रही है।

2. सीजेडआईईए ने मध्य क्षेत्र के निम्न स्थानों में कर्मचारी आवासगृह में सुधार की मांग की

रायपुर - दंतेवाड़ा में कर्मचारी एवं अधिकारियों हेतु आवासगृह का निर्माण, शाखा भवन निर्माण के साथ जल्द प्रारंभ किया जाये। भिलाई व दल्ली राजहरा के आवासगृहों की बाह्य पुताई तो की गई है, लेकिन आंतरिक भाग की पुताई कार्य नहीं किया गया है,जो कि लंबे समय से लंबित है। इसे अतिशीघ्र करवाया जाये। दल्ली राजहरा आवासगृह के टूटे खिड़की एवं दरवाजों की मरम्मत अतिशीघ्र करवाई जाए।

बिलासपुर- कोरबा में स्थित कर्मचारी आवासगृह की बाउण्ड्री वाल टूटी हुई है। इसका अतिशीघ्र पुनर्निर्माण कर इसके ऊपर कंटीली तार की फेंसिंग करवाई जाए।

भोपाल- शाखा कार्यालय, पाथाखेड़ा के कर्मचारी आवास गृह की समस्या का शीघ्र निदान किया जाये।

- प्रबंधन ने सूचित किया कि भिलाई एवं राजहरा की आंतरिक भाग की पुताई का परीक्षण कर पुताई की जाएगी। उन्होंने यह भी सूचित किया कि दल्ली राजहरा एवं कोरबा के आवासगृह की मरम्मत व अन्य कार्य मंडल स्तर पर किये जा सकते हैं और पाथाखेड़ा में सुधार कार्य प्रारंभ किया गया है।

3. निरीक्षण एवं अतिथिगृह की समस्या - सीजेडआईईए ने मांग की कि-

सतना - टीकमगढ़ के अतिथिगृह का विस्तार किया जाये। निवारी शाखा में निरीक्षण कक्ष उपलब्ध कराया जाये।

4. आधुनिकीकरण एवं उससे संबंधित समस्या - सीजेडआईईए ने इस विषय पर प्रबंधन से निम्न मांग की-

रायपुर- मंडल कार्यालय रायपुर, समूह बीमा रायपुर, रायपुर शाखा क्र. 2 का लंबित आधुनिकीकरण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाये। रायपुर शाखा क्र. 1 के आधुनिकीकरण हुए 18 वर्ष हो चुके हैं अतः

इनका शीघ्र पुनर्आधुनिकीकरण किया जाये। भिलाई-1 के आधुनिकीकरण के बाद बाथरूम में लीकेज की समस्या के चलते छत से पानी टपकता रहा है जिसे अतिशीघ्र मरम्मत कराया जाये, साथ ही साथ सीढियों के टूटे हुए टाइल्स की मरम्मत शीघ्र करवाई जाये। शाखा भिलाई-1 के एयर कंडीशनर्स की समस्या का समाधान किया जाये।

– प्रबंधन ने सूचित किया कि आधुनिकीकरण से संबंधित सभी मसलों का परीक्षण कर पुनर्आधुनिकीकरण व अन्य समस्याओं पर उचित कदम उठाए जाएंगे।

5. मेडिक्लेम की समस्या – सीजेडआईईए ने कहा कि मेडिक्लेम दावों के निष्पादन में हो रहे विलंब, टीपीए हेल्थ इंडिया द्वारा दावों के भुगतान में की जा रही मनमानी कटौती, केशलेश सुविधा में दिक्कतें, कोविड महामारी से पीड़ित कर्मचारियों के चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ति में वेरिफिकेशन के नाम पर प्रताड़ित किये जाने जैसी समस्याओं के समाधान के लिए हमारे द्वारा क्षेत्रीय प्रबंधन को पहले ही अवगत कराया गया है। वर्तमान में बिलासपुर मंडल के 23 प्रकरण पूर्व टीपीए एम.डी. इंडिया के पास लंबित हैं, जबकि हेल्थ इंडिया के मध्य क्षेत्र में 300 से अधिक प्रकरण लंबित हैं। इसके समाधान हेतु प्रबंधन द्वारा निंतरत उचित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। भोपाल मंडल के अंतर्गत आने वाले अन्य बाहरी शाखाओं में भी केशलेश मेडिक्लेम सुविधा हेतु भी अस्पताल अधिकृत किये जाएं।

– प्रबंधन ने सूचित किया कि मेडिक्लेम के मामले में सुधार भी हुआ है और अन्य टीपीए तथा न्यू इंडिया से उचित पहल की गई है उसमें सुधार भी हुआ है और अन्य समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने का प्रयास अविलंब किया जायेगा।

6. लंबित अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण – सीजेडआईईए ने कहा कि दिवंगत दशरथी बघेल, स्थायी अंशकालिक कर्मचारी जगदलपुर, रायपुर मंडल, शहडोल मंडल के ब्यौहारी के दिवंगत लोकेश नट, उच्च श्रेणी सहायक, दिवंगत राज बहोर सिंग, स्थायी अंशकालिक कर्मचारी शाखा कोतमा, दिवंगत गोपाल साहू, स्थायी अंशकालिक कर्मचारी, मुगेली, बिलासपुर मंडल, दिवंगत भूरासिंह भाबर, दिवंगत श्यामलाल नागर, अंशकालिक सफाई कर्मी, इंदौर मंडल की अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का निदान शीघ्र किया जाये।

– प्रबंधन ने सीजेडआईईए की मांग के अनुरूप उपरोक्त सभी प्रकरणों का पुन: परीक्षण कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

7. कम्प्यूटर, प्रिन्टर तथा स्टेशनरी संबंधी समस्या – सीजेडआईईए ने कहा कि सभी मंडलों में पर्यास संख्या में कम्प्यूटर व प्रिंटर उपलब्ध कराया जाये तथा सभी कम्प्यूटर में अच्छे क्वालिटी का प्रिन्टर उपलब्ध कराया जाये।

– प्रबंधन ने इस संबंध में शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

8. पेयजल/आर.ओ. सिस्टम – सीजेडआईईए ने मध्य क्षेत्र के समस्त कार्यालयों में पेयजल हेतु आर.ओ. सिस्टम की मांग की।

– प्रबंधन ने सचित किया कि मंडल स्तर पर इस पर निर्णय लिये जा सकते हैं।

9. नकली नोट जांच मशीन – सीजेडआईईए ने कहा कि मध्यक्षेत्र के सभी मंडलों की समस्त शाखाओं में नियमित रूप से सशस्त्र सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराने की मांग की।

– प्रबंधन ने सूचित किया कि सभी मंडलों को आश्यकतानुरूप इसकी खरीदी करने अनुमति दी जा चुकी है। आवश्यकता पड़ने पर पुन: सभी मंडलों को निर्देशित किया जायेगा।

10. शाखाओं में सुरक्षा व्यवस्था– सीजेडआईईए ने मध्यक्षेत्र के सभी मंडलों की समस्त शाखाओं में नियमित रूप से सशस्त्र सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराने की मांग की।

– प्रबंधन ने सूचित किया कि सुरक्षा गार्ड हेतु सभी मंडलों को निर्देशित किया जा चुका है तथा सशस्त्र सुरक्षा गार्ड के मामले में एलआईसी के नियमों का परीक्षण कर कार्यवाही की जायेगी।

11. एमबीए भत्तों का भुगतान – सीजेडआईईए ने कहा कि सतना मंडल के एमबीए मामले का समाधान अब तक लंबित है। इसका शीघ्र समाधान किया जाये। साथ ही श्री संदीप राजपूत, छिंदवाड़ा श्रीमती प्रीति गांधी, जिला शाखा, जबलपुर श्री प्रबोध टोप्पो, शहडोल के एमबीए भत्तों का भुगतान अब तक लंबित है, जिसका निपटारा शीघ्र किया जाये।

– प्रबंधन ने सतना मंडल के एमबीए मामले पर सीजेडआईईए की ओर से केन्द्रीय कार्यालय को एक पत्र लिखने का अनुरोध कर इस मामले के समाधान के लिए प्रबंधन की ओर से भी पहल का आश्वासन दिया है। अन्य सभी मामलों का भी उन्होंने पुन: परीक्षण का आश्वासन दिया।

12. विजिलेंस संबंधी समस्या – सीजेडआईईए ने कहा कि मध्यक्षेत्र के विभिन्न मंडलों में विजिलेंस संबंधी मामलों में लंबे अंतराल के बावजूद निर्णय नहीं लिये जाने के कारण संबंधित कर्मचारियों को गृह निर्माण ऋण के लिए नियोक्ता प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जा रहा है। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है, अत: ऐसे सभी कर्मचारियों को अनापत्ति प्रमाणपत्र एवं नियोक्ता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाए तथा निश्चित अवधि के अंदर इन प्रकरणों का निपटारा किया जाये।

– प्रबंधन ने विजिलेंस के संबंध में सीजेडआईईए के द्वारा उठाई गई मांग की रौशनी में की गई कार्यवाही का विस्तृत विवरण देते हुए गंभीरता के साथ प्रकरणों के निपटारे के लिए पहल की गई है तथा शेष मामलों में भी शीघ्रातिशीघ्र पहल का आश्वासन दिया।

13 अन्य मुद्दे –

- सीजेडआईईए ने कहा कि निगम से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को निगम में उनके द्वारा दी गई सेवाओं के लिए सम्मान स्वरूप निगम की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाये। उल्लेखनीय है कि उत्तर क्षेत्र में इस स्मृति चिन्ह के लिए राशि की सीमा को बढ़ाकर 1500/– रु. भी किया गया है।

  – प्रबंधन ने सीजेडआईईए की मांग से सहमति जाहिर करते हुए सूचित किया कि जनवरी माह से निगम की सेवाओं से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी व अधिकारी को निगम की ओर से सम्मानित करने, सभी मंडलों को सूचित किया जा चुका है तथा जल्द ही इस पर स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किये जा रहे हैं।

- सीजेडआईईए ने मांग की कि सहायक संवर्ग में प्रतीक्षा सूची से रिक्तियों की पूर्ति के लिए नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र अमल में लायी जाये।

  – प्रबंधन ने सूचित किया कि इस पर केन्द्रीय कार्यालय से पहल की जा रही है।

- सीजेडआईईए ने कहा कि इंदौर मंडल के विकास अधिकारी से तृतीय श्रेणी कर्मचारी में पुनर्नियुक्त श्री आनंद शुक्ला, श्री प्रकाश आर्य और श्री प्रताप सिंह चौहान के स्नातक वेतनवृद्धि को स्वीकृत होंञ

  – प्रबंधन ने इसका परीक्षण करने का आश्वासन दिया।

- सीजेडआईईए ने कहा कि भोपाल में नियमित स्वास्थ्य जांच हेतु वर्तमान अस्पताओं के अलावा अन्य अस्पतालों को सूचीबद्ध किया गया।

  – प्रबंधन ने इससे सहमति जाहिर करते हुए ऐसे अस्पतालों की सूची प्राप्त होने पर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

- सीजेडआईईए ने बिलासपुर मंडल में पी.एड.जी.एस. इकाई की स्थापना की जाए।

  – प्रबंधन ने इसका परीक्षण करने का आश्वासन दिया।

- सीजेडआईईए ने कहा कि मध्य क्षेत्र के अधिकतम शाखाओं में नेटवर्क स्पीड की गंभीर समस्या है जिसके चलते बीमाधारकों, अभिकर्ताओं तथा कर्मचारियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इसे यथाशीघ्र दुरुस्त किया जाये।

  – प्रबंधन ने सूचित किया कि जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जायेगा। उन्होंने यह भी सूचित किया कि ई–फीप के अद्यतन का काम भी प्रगति पर है अत: शीघ्र ही इस समस्या से निजात मिल जायेगी।

- सीजेडआईईए ने कहा कि नवनियुक्त सहायकों को जिन मंडलों में 15 दिनों का प्रशिक्षण नहीं दिया गया है, उन्हें प्रशिक्षण दिया जाये।

  – प्रबंधन ने इससे सहमति जाहिर करते हुए संबंधित मंडलों में इसकी व्यवस्था हेतु उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

- सीजेडआईईए ने कहा कि स्टॉफ रेग्युलेशन के प्रावधानों के तहत अगर किसी कर्मचारी के परिवार के किसी सदस्य को कोई संक्रामक बीमारी है जो दूसरों तक संक्रमण फैला सकती है, तो चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित किये जाने पर ऐसे कर्मचारी को संगरोध अवकाश (क्वारेंटाइन लीव) की पात्रता है, कोरोना पर भी यह लागू होता है। इस पर केन्द्रीय कार्यालय ने भी स्पष्टीकरण जारी किया है। इस रोशनी में क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सभी मंडलों में ऐसे प्रकरणों पर क्वारेन्टाइन अवकाश की स्वीकृति हेतु दिशानिर्देश जारी किया जाये।

  – प्रबंधन ने सूचित किया कि सभी मंडलों के प्रबंधक कार्मिक को ऐसे मामलों में क्वारेंटाईन लीव की स्वीकृति हेतु सूचना दे दी गई है।

- सीजेडआईईए ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान तालाबंदी के चलते मजबूरी में मुख्यालय में अनुपस्थित कर्मचारियों को वर्क फ्राम होम के रूप में स्वीकृति देकर उनके वेतन/अवकाश की कटौती की वापसी की जाए।

  – प्रबंधन ने सूचित किया कि इन मसलों का निवारण केंद्रीय कार्यालय द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने सीजेडआईईए की इस मांग को केन्द्रीय स्तर पर भी प्रेषित किये जाने का आश्वासन दिया है।

  सीजेडआईईए ने करोना महामारी के दौरान अलग–अलग मंडलों में राज्य या जिला प्रशासन के निर्देश पर हुई तालाबंदी अवधि का दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने का प्रबंधन से आग्रह किया। प्रबंधन ने सभी मंडलों को इस संबंध में भुगतान हेतु उचित निर्देश देने का आश्वासन दिया।

सीजेडआईईए की ओर से 15 एवं 16 फरवरी को महासचिव के क्षेत्रीय कार्यालय दौरे के दौरान आंचलिक प्रबंधक (कार्मिक), आंचलिक प्रबंधक (का.से.) के साथ पुन: विस्तृत चर्चा की गई। क्षेत्रीय प्रबंधक के रायपुर प्रवास के दौरान भी सीजेडआईईए की ओर से इन सभी मसलों पर विस्तृत चर्चा की गई। इन सभी विषयों पर सीजेडआईईए की ओर से निरंतर पहल आगे भी जारी रहेगी।

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ...

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव